ANNUALLY : (1) वर्षे वर्षे ; (2) प्रतिवर्षम् ; (3) प्रतिवत्सरम् ; etc.

ANNUITANT *वार्षिकवृत्तिभोगिन् (f. नी) and sim. comp.s.

ANNUITY : *वार्षिकवृत्तिः And sim. comp. s.

ANNUL ; लुम्पति, अव-, वि-, (लुप्, c. 6.) (?).

ANNULAR : (1) मण्डलाकारः (रा, रं) ; (2) गोलाकारः (रा, रं) ; (3) वलयाकारः (रा, रं).

ANNULMENT : लोपः, वि-, अव-, (?).

ANNUNCIATION : (1) ख्यापनम् ; (2) विज्ञापनम् ; (3) प्रकाशनम्.

ANODYNE : (1) शूलघ्नः (घ्नी, घ्नं) ; (2) पीड़ाशमकः (का, कं) (?).

ANOINT : I. To besmear : q.v. : (1) लिम्पति (लिप्, c. 6.), *as if a. ing, as if filling my sense of smell*, अनुलिम्पन्तमिव पूरयन्तमिव घ्राणेन्द्रियम्, K. ; (2) अनक्ति, अभि-, (अञ्ज्, c. 7.), Sa. v. ; (3) दिग्धे (दिह् c. 2.) *a. ed with nectar as well as poison* दिग्धोऽमृतेन च विषेण च, Ma. 1. ; (4) समालभते (लभ्, c. 1.), *I will prepare auspicious ointments* मङ्गलसमालम्भं विरचयामि, Sa. iv. II. To consecrate by unction : अभिषिञ्चति (सिच्, c. 6.), B. iii. 2.

ANOINTER : विलेपकः : v. To anoint.

ANOINTING (subs) : (1) विलेपनम् ; (2) अभ्यञ्जनम् ; (3) समालम्भः ; (4) अभिषेकः (=consecration).

ANOMALOUS : (1) विधिविरुद्धः (द्धा, द्धं) (?) ; (2) अनियमपरः (रा, रं) (?) ; (3) अविधि (mfn.) (?).

ANOMALY : (1) विधिविरोधः ; (2) अविधिः (?) ; (3) अनियमः (?).

ANON : I. Quickly, soon : q.v. : सपदि. II. Again : q.v. Ph. *ever and a.* यदा तदा : v. Often, frequently.

ANONYMOUS : (1) *अनिर्दिष्टलेखकाभिधानः (ना, नं) (2) अदत्तप्रणेतृसंज्ञः (ज्ञा, ज्ञं) ; etc.

ANONYMOUSLY : (1) *अनिर्दिष्टलेखकाभिधानम् ; (2) *अदत्तप्रणेतृसंज्ञम्.

ANOTHER : (1) अन्यः (न्या, न्यत्), *it is impossible that one acts and a. enjoys* न ह्येतत् सम्भविष्यत्यन्यः करोत्यन्यो भुंक्त इति, D.s. : *a. day* अन्येद्युः ; (2) परः (रा, रं), *a.'s wife* परस्त्री, *a.'s property* परस्वम् ; (3) अपरः (रा, रं), *a. dearer to you than myself* मत्तःप्रियतरस्तवापरो जनः, K.; (4) in some case by अन्तर affixed, *took her to a. king* राजान्तरं निनाय, R. vi. 26. : v. Different. N.B. Note that पर is gen. confined to comp. and अपर is gen. used with a qualifying subs. Note also that अन्य and अपर do not gen. mean a.'s in comp. : v. Another's.

ANOTHER, One (reciprocal) : v. One another.

ANOTHER'S : (1) अन्यदीयः (या, यं) ; (2) परकीयः (या, यं).

ANSWER (v.t.) : I. To reply : (1) कथयति (कथ्, c. 10.), *(first) a. my these four questions and then drink water* ममैतान् चतुरो प्रश्नान् कथयित्वा जलं पिब, Mah. ; (2) ब्रवीति (ब्रू, c.2.), *if you do not a. my questions, I will eat you* न चेद्ब्रवीषि प्रश्नानश्नामि त्वां, D. vi. ; (3) उत्तरं ददाति (दा, c. 3.) (with gen.) ; (4) प्रतिलिखति (= to write back, q.v.). N.B. (1) and (2) are not applicable to writing. II. To refute : q.v. III. To correspond to, suit : q.v. IV. To pay : q.v. Ph : *this will a. my object* अनेन सफलसमीहितो भवामि.

ANSWER (v.i.) : I. To make a reply : उत्तरं ददाति. II. To speak in reply : (1) प्रतिवक्ति (वच्, c. 1.) ; (2) प्रतिवदति (वद्, c. 1.) ; (3) प्रतिभाषते (भाष्, c. 1.). III. To render an account to : expressed by circumlo. : *you will have to a. to your master for the sums received* *त्वया यद्धनं लब्धं तस्य विशेषवृत्तान्तः स्वामिने निवेदयितव्यः. IV. To serve for. : q.v.

ANSWER (subs) : (1) उत्तरं ; (2) प्रतिवचनम् ; (3) प्रत्युक्तिः ; (4) प्रतिवाक्यम्. N.B. The last three words are applicable only to speaking in reply, while the first उत्तरं is applicable also to legal replies and solutions of problems.

ANSWERABLE : I. Refutable : खण्डनीयः (या, यं). II. Responsible, accountable : q.v. III. Correspondent, proportionate, suited: q.v.

ANT : (1) पिपीलिका (the common small red a.) ; (2) पिपीलिकः (a large black a.).

ANT-EATER : पिपीलिकाखादको जन्तुभेदः.

ANTAGONISM : (1) विरोधः ; (2) प्रतिद्वन्द्वम् ; (3) पर्यवस्थानम्.